



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 196]
No. 196]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 18, 2007/आषाढ़ 27, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 18, 2007/ASADHA 27, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 2007

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : कोरिया गणराज्य और तुर्की के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित आंशिक रूप से विन्यासित यार्न (यी ओ वाई) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा से संबंधित पाटनरोधी जाँच।

सं. 15/21/2006-डी जी ए डी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (5) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. पृष्ठभूमि एवं प्रक्रिया

समीक्षा जाँच की पृष्ठभूमि और समीक्षा जाँच में वर्णित प्रक्रिया का व्यौरा नीचे दिया गया है।

क.1 निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (5) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए उपर्योगी 5402.42 के अंतर्गत आने वाले कोरिया गणराज्य 3193 GI/2007

(कोरिया और पी) और तुर्की (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित आंशिक रूप से विन्यासित यार्न (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की थी। प्रारंभिक जाँच परिणाम दिनांक 23 नवम्बर, 2001 की अधिसूचना सं. 36/1/2001-डी जी ए डी द्वारा प्रकाशित किए गए थे और 27 दिसम्बर, 2001 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 131/2001-सीमाशुल्क के तहत संबद्ध वस्तुओं पर अनंतिम शुल्क लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 16 अगस्त, 2002 को अधिसूचना सं. 36/1/2001-डी जी ए डी के तहत अंतिम जाँच परिणाम जारी किए थे और दिनांक 12 सितम्बर, 2002 की अधिसूचना सं. 97/2002-सीमाशुल्क के अनुसार सीमाशुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

क.2 पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने की तारीख से 4 वर्ष की समाप्ति के बाद और प्राधिकारी द्वारा भेजे गए चेतावनी पत्र के उत्तर में एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (ए एस एफ आई) ने मै. अपोलो फाइबर्स लि., मै. सेन्चुरी एंका लि., मै. सैट्रल इंडिया पोलिएस्टर्स लि., मै. फिलाटेक्स इंडस्ट्रीज लि., मै. इंडो रामा सिथेटिक्स (आई) लि., मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि., मै. जे बी एफ लि., मॉर्डन पेट्रोफिल्स, मै. रेक्रॉन सिथेटिक लि. और मै. वेल्सपन सिटेक्स लि. की ओर से संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें कोरिया गणराज्य (कोरिया और पी) और तुर्की के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की आवश्यकता को सही ठहराया गया है। अपने आवेदन में याचिकाकर्ताओं ने प्रथम दृष्ट्या साक्ष्यों के साथ यह दावा किया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहते और उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और उपर्युक्त डिल्टिखित अधिसूचनाओं के अंतर्गत संबद्ध

वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क को अगले 5 वर्षों की अवधि के लिए जारी रखने और उसे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

क.3 दिनांक 16 अगस्त, 2002 की सं. 36/1/2001-डी जी ए डी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों और 12 सितम्बर, 2002 की संख्या 97/2002-सीमाशुल्क द्वारा लागू अंतिम शुल्क की समीक्षा का नियम लेने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की समीक्षा करने के लिए जांच की शुरुआत की कि सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित आंशिक रूप से विनासित यार्न के आयातों पर से पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

क.4 इस समीक्षा में दिनांक 16 अगस्त, 2002 की अधिसूचना सं. 36/1/2001-डी जी ए डी के सभी पहलू शामिल हैं। मूल जांच में मै. एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (ए एस एफ आई) ने मै. सेन्चुरी एंका लि., मै. रिलायंस इंडस्ट्री लि., मै. संघी पोलिएस्टर लि., मै. रेमण्ड सिथेटिक्स लि. और मै. जे सी टी लि. की ओर से घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व किया था। निर्णयिक समीक्षा में एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (ए एस एफ आई) ने मै. अपेलो फाइबर्स लि., मै. सेन्चुरी एंका लि., मै. सेन्ट्रल इंडिया पोलिएस्टर्स लि., मै. फिलाटेक्स इंडस्ट्रीज लि., मै. इंडो रामा सिथेटिक (आई) लि., मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि., मै. जे बी एफ लि., मॉर्डन पेट्रोफिल्म, मै. रेक्सन सिथेटिक लि. और मै. वेल्सपन सिटेक्स लि. की ओर से आवेदन प्रस्तुत किया था। मै. रिलायंस इंडस्ट्री लि. (आर आई एल), मै. संघी इंडस्ट्री लि., मै. नोवा पेट्रोकेमिकल्स लि., मै. गोकुलानंद पेट्रोफाइबर, मै. अफोस इंडस्ट्री लि., मै. राजवी पेट्रोकैम प्राइवेट लि. और मै. नकोडा टेक्सटाइल्स इंडस्ट्रीज लि. द्वारा आवेदन का समर्थन किया गया था। प्राधिकारी से संबंधित नियमों के अनुसार याचिकाकर्ताओं जिनका भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है, को घरेलू उद्योग का प्रतिनिधि मानने का भी प्रस्ताव किया गया था।

क.5 वर्तमान जांच में शामिल देश कोरिया गणराज्य (कोरिया आर पी) और तुर्की (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) हैं।

क.6 वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 (12 माह) है। तथापि, क्षति की जांच में जांच अवधि तथा जांच अवधि से तीन वर्ष पूर्व अर्थात् 1 अप्रैल, 2002 से जांच अवधि तक की अवधि शामिल होगी।

क.7 संबद्ध देशों के नियातकों, भारत स्थित दूतावास/उच्चायांग के माध्यम से उनकी सरकारें, आयातकों तथा भारत में संवंधित प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को अलग-अलग पत्र भेजकर उनसे सुसंगत जानकारी निर्धारित प्रपत्र व तरीके से भेजने और अपने विचारों से निर्विट प्राधिकारी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय (डीजीएडी), बमरा नं. 240, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने का अनुरोध किया गया है। जांच शुरुआत अधिसूचना में यह भी जांच

दिया गया था कि डीई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इस जांच के संबंध में अपना प्रस्तुतीकरण निर्धारित प्रपत्र व तरीके से जांच शुरुआत अधिसूचना में निर्धारित अवधि के भीतर भिजवा सकता है।

क.8 जांच शुरुआत के उपरांत निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई गई :—

क.8.1 प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति सभी जात नियातकों (पहले की गई जांच के मद्देनजर जिनका व्यौरा उपलब्ध था) और उद्योग/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को अग्रेप्ति की गई और उन्हें नियम 6(2) के अनुसरण में अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर दिया गया।

क.8.2 प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति भाजन में सम्बद्ध वस्तुओं के सभी जात आयातकों (पहले की गई जांच के मद्देनजर जिनका व्यौरा उपलब्ध था) को अग्रेप्ति की गई और उन्हें नियम 6(2) के अनुसरण में अपने विचारों से लिखित में, उक्त ज्ञात की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अवगत कराने की सलाह दी गई।

क.8.3 डीजीएडी एण्ड एस से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के संबंध में भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यैरे की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया।

क.8.4 उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत अधिसूचना की एक-एक प्रति जात नियातक तथा सम्बद्ध देशों के दूतावाय का भिजवाई गई।

क.8.5 नियम 6(4) के अनुसरण में अपेक्षित जानकारी हार्सन करने के लिए प्राधिकारी द्वारा नियातकों/उत्पादकों को एक प्रश्नावली भिजवाई गई।

क.8.6 नियम 6(5) समय के भीतर किसी भी जात नियातक/उत्पादक अथवा अन्य नियातक/उत्पादक द्वारा प्रश्नावली का काई उत्तर/सूचना प्रस्तुत नहीं की गई।

क.8.7 नियम 6(2) के अनुसरण में सम्बद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावास को जांच की शुरुआत के संबंध में सूचित किया गया और उन्हें अपने देश के सभी संवंधित नियातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के धोतर प्रश्नावली के उत्तर भिजवाने की सलाह देने का अनुरोध किया गया। नियम 6(3) के तहत जात नियातकों को भिजवाए गए पत्र तथा प्रश्नावली की प्राप्त नम्बद्ध देशों के दूतावासों को भी अपनाई गई।

क.8.8 नियम 6(4) के अनुसरण में प्रश्नावली की एक-एक प्रति सम्बद्ध वस्तुओं के जात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को भी भिजवाई गई, जिनका व्यौरा व्यापकाकर्ता द्वारा सूचनार्थ उपलब्ध कराया गया था।

क.8.9 किसी भी निर्यातक अथवा आयातक द्वारा प्रश्नावली के उत्तर/सूचना प्रस्तुत नहीं की गई।

क.8.10 क्षति संबंधी जानकारी घरेलू उद्योग से मंगाई गई, जिसका प्रतिनिधित्व मैसर्स अपोलो फाइबर्स लि., मैसर्स सेंचुरी एंका लि., मैसर्स इण्डोरामा सिथेटिक्स (इ.) लि., मैसर्स गार्डन सिल्क मिल्स लि., मैसर्स जेबीएफ लि., मैसर्स मॉर्डन पेट्रोफिल्स, मैसर्स रेक्रॉन सिथेटिक्स लि. तथा मैसर्स मे. वेलस्पन सिटेक्स लि. की ओर से मैसर्स एसोसिएशन ऑफ सिथेटिक्स फाइबर इंडस्ट्री (एसएफआई) द्वारा किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन लागत/क्षति संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई जिसका विश्लेषण प्राधिकारी द्वारा किया गया। मांगी गई सूचना में पाई गई कमियों से घरेलू उद्योग को अवगत कराया गया था और उनके उत्तरों की प्रतीक्षा की जा रही थी।

क.8.11 प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ एक सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा जिसे नियम 6 (7) के अनुसार हितबद्ध पक्षों के निरीक्षणार्थ उन्हें उपलब्ध कराया गया।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

ख.1 विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद कोरिया जन. गण. तथा तुर्की के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित आंशिक रूप से विन्यासित यार्न (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है। वाणिज्यिक तथा बाजार की भाषा में आंशिक रूप से विन्यासित यार्न को “पीओवाई” कहा जाता है और इस जांच में भी इसे पीओवाई ही कहा गया है। पीओवाई पालिस्टर का एक यार्न होता है और विभिन्न क्षेत्रों की अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु इसका विनिर्माण 50 डेनियर से 530 डेनियर की व्यापक रेंज में किया जाता है। डेनियर यार्न की शुद्धता का माप है; डेनियर जितना कम होगा, यार्न उतना ही परिष्कृत होगा। पीओवाई एक मध्यवर्ती है, जिसे कपड़े की बुनाई अथवा निटिंग में सक्षम बनाने के लिए इसका आगे और प्रसंस्करण (उदाहरणार्थ टेक्सचरिंग अथवा ड्रॉ ट्रिव्स्टिंग) किया जाता है। पीओवाई, पीएफवाई (जिसका सीमाशुल्क वर्गीकरण 402.34 है) से भिन्न है और पीएफवाई वर्तमान जांच के दायरे में शामिल नहीं है। चूंकि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही है, जिसे मूल जांच में परिभासित किया गया था। तत्पश्चात् उत्पाद में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है। यह उत्पाद सीमाशुल्क शीर्ष 5402 के तहत वर्गीकृत है।

तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

ख. 2 भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तुओं में कोई अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं सभी संगत मानदंडों जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग के लिहाज से तुलनीय हैं। ये दोनों

वस्तुएं तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उपभोक्ताओं ने इन्हें एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया है। समान वस्तु के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है।

ख.3 उपर्युक्त के आलोक में प्राधिकारी का मानना है कि याचिकार्ताओं द्वारा उत्पादित पीओवाई वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है और तदनुसार पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू रूप से उत्पादित पीओवाई को संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के “समान वस्तु” माना जाता है।

ग. जांच शुरूआत, समीक्षा, स्थिति एवं घरेलू उद्योग

ग.1 जांच शुरूआत और इस मामले में घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में कोई तर्क नहीं दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. अपोलो फाइबर्स लि., मै. सेन्चुरी एनका लि. मै. सेन्ट्रल इंडिया पोलिस्टर्स लि., मै. फिलाटेक्स इंडस्ट्रीज लि., मै. इंडोरामा सिथेटिक्स (आई) लि., मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि., मै. जेबीएफ लि., मॉर्डन पेट्रोफिल्स, मै. रेक्रॉन सिथेटिक्स लि. एवं मै. वेलस्पन सिन्टेक्स लि. की ओर से एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (एसएफआई) का संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है और इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (एसएफआई) मै. अपोलो फाइबर्स लि., मै. सेन्चुरी एनका लि., मै. सेन्ट्रल इंडिया पोलिस्टर्स लि., मै. फिलाटेक्स इंडस्ट्रीज लि., मै. इंडोरामा सिथेटिक्स (आई) लि., मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि., मै. जेबीएफ लि., मॉर्डन पेट्रोफिल्स, मै. रेक्रॉन सिथेटिक्स लि. और मै. वेलस्पन सिन्टेक्स लि. की ओर से पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है क्योंकि इसका देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है।

घ. इसके बाद के घटनाक्रम

एसोसिएशन ऑफ सिथेटिक्स फाइबर उद्योग द्वारा 22 जून, 2007 को किया गया निवेदन

घ.1 “पीओवाई के दौरान निर्णायक समीक्षा हेतु दक्षिण कोरिया से केवल 148 मी. टन आयात हुए थे जबकि तुर्की से कोई आयात नहीं हुए थे। इन तथ्यों पर विचार करके हम नियम 14 (क) के अनुसार पाटनरोधी शुल्कों को आगे बढ़ाने संबंधी दिए गए आवेदन को वापस लेना चाहेंगे। तथापि इससे नये सिरे से आवेदन दाखिल करने, भविष्य में यदि जरूरत होती है के हमारे अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।”

ड. निष्कर्ष

ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों जिनमें संबद्ध देशों से पीओवाई पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की समीक्षा हेतु दिए गए आवेदन को वापस लेने का अनुरोध किया गया है, के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि पाटनरोधी शुल्क का जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है और इसलिए प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित पीओवाई पर पाटनरोधी शुल्क को हटाने की

अनुशंसा करते हैं जैसाकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा 16 अगस्त, 2002 को अधिसूचना सं. 36/1/2001-डीजीएडी द्वारा जारी अंतिम जांच परिणामों में अनुशंसा की गई है और जिसे सीमाशुल्क विभाग द्वारा दिनांक 12 सितम्बर, 2002 को अधिसूचना सं. 97/2002- सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था और जिसे दिनांक 20-12-2006 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 118/2006 द्वारा बढ़ाया गया था।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING
AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th July, 2007

FINAL FINDINGS

Sub. : Anti-Dumping investigations concerning Sunset Review of anti-dumping duty on imports of Partially Oriented Yarn (POY) originating in or exported from Korea RP and Turkey.

No. 15/21/2006-DGAD.—Having regard to the Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

A. BACKGROUND AND PROCEDURE

The Background of the review investigations and procedure described in the review investigations are described below.

A.1. The Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, recommended imposition of provisional Anti-Dumping duty on Imports of Partially Oriented Yarn (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Republic of Korea (Korea RP) and Turkey (also referred to as subject countries) falling under Sub-heading 5402.42. The preliminary findings were published *vide* Notification No. 36/1/2001-DGAD, dated 23rd November, 2001 and provisional duty was imposed on the subject goods *vide* Customs Notification No. 131/2001-Customs, dated 27th December, 2001. The Designated Authority came out with final findings on 16th August, 2002 *vide* Notification No. 36/1/2001-DGAD and definitive anti-dumping duty was imposed by Customs as per Notification No. 97/2002-Customs, dated 12th September, 2002.

A.2. Following the expiry of the 4 years from the date of imposition of anti-dumping duty and in response to an alert letter issued by the Authority, Association of

Synthetic Fiber Industry (ASFI) on behalf of M/s. Apollo Fibres Ltd., M/s. Century Enka Ltd., M/s. Central India Polyesters Ltd., M/s. Filatex Industries Ltd., M/s. Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s. Garden Silk Mills Ltd., M/s. JBF Ltd., Modern Petrofils, M/s. Recron Synthetics Ltd. and M/s. Welspun Syntex Ltd. jointly filed an application substantiating the need for review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Republic of Korea (Korea RP) and Turkey. In their application, the petitioners claimed with *prima facie* evidence that cessation of anti-dumping duty imposed on subject goods from subject countries is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and requested to continuation and enhancement of the anti-dumping duty imposed on subject goods under the above mentioned notifications for a further period of 5 years.

A.3. Having decided to review the final findings notified *vide* No. 36/1/2001-DGAD, dated 16th August, 2002 and final duty imposed by No. 97/2002-Customs, dated 12th September, 2002, the Authority initiated investigations to review whether cessation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury on Imports of Partially Oriented Yarn originating in or exported from subject countries, in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995.

A.4. The review covered all aspects of Notification No. 36/1/2001-DGAD, dated 16th August, 2002. M/s. Association of Synthetic Fiber Industry (ASFI) on behalf of M/s. Century Enka Ltd., M/s. Reliance Industries Ltd., M/s. Sanghi Polysters Ltd., M/s. Raymond Synthetics Ltd. and M/s. JCI Ltd., represented domestic industry in the original investigations. In the sunset review, the application was filed by M/s. Association of Synthetic Fiber Industry (ASFI) on behalf of M/s. Apollo Fibres Ltd., M/s. Century Enka Ltd., M/s. Central India Polyesters Ltd., M/s. Filatex Industries Ltd., M/s. Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s. Garden Silk Mills Ltd., M/s. JBF Ltd., Modern Petrofils, M/s. Recron Synthetics Ltd., and M/s. Welspun Syntex Ltd. The application was also supported by M/s. Reliance Industries Ltd., (RIL), M/s. Sanghi Industries Ltd., M/s. Nova Petrochemicals Ltd., M/s. Gokulanand Petrofibers, M/s. Aftees Industries Ltd., M/s. Rajvi Petrochem (P) Ltd. and M/s. Nakoda Textiles Industries Ltd. The Authority proposed to consider the petitioners who constitute the major proportion of the production of the subject goods in India to represent the domestic industry in accordance with the Rules *supra*.

A.5. The countries involved in the present investigations are Republic of Korea (Korea RP) and Turkey (also referred to as subject countries hereinafter).

A.6. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is 1st April, 2005 to 31st March, 2006

(12 months). The period of injury examination would however include POI and three years prior to the POI i.e from 1st April, 2002 to the end of POI.

A.7. The exporters in subject countries, their Government through their Embassy/High Commission in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry were addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce and Industry, Department of Commerce, Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties, (DGAD), Room No. 240, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. It was also added in the initiation notification that any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit as prescribed in the initiation notification.

A.8. Following the initiation, the following procedures were followed :

A.8.1 The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were available in view of investigations conducted earlier) and industry/user associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2).

A.8.2 The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were available in view of investigations conducted earlier) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).

A.8.3 Request was made to the DGCI&S to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.

A.8.4 The Authority provided a copy of the initiation notification to the known exporter and the Embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.

A.8.5 The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the exporters/ producers, in accordance with the Rule 6(4).

A.8.6 No Response/information to the questionnaire was filed by any of known exporters/producers or other exporters/ producers within the time limit.

A.8.7 The Embassy of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule

6(2) with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the known exporter was also sent to the Embassy of the subject countries under rule 6(3).

A.8.8 A questionnaire was sent to the known importers/user associations of the subject goods whose details were made available by the petitioner for necessary information in accordance with Rule 6(4).

A.8.9 No Response/information to the questionnaire was filed by any of the importers and exporters.

A.8.10 Information regarding injury was sought from domestic industries represented by M/s. Association of Synthetic fiber industry (ASFI) on behalf of M/s. Apollo Fibres Ltd., M/s. Century Enka Ltd., M/s Central India Polyesters Ltd., M/s. Filatex Industries Ltd., M/s. Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s. Garden Silk Mills Ltd., M/s JBFLtd., Modern Petrofils, M/s Recron Synthetics Ltd and M/s. Welspun Syntex Ltd. The cost of production/injury information was furnished by the domestic industry which was analyzed by the Authority. The deficiencies in respect of the information sought were conveyed to the domestic industry and their replies were being awaited.

A.8.11 The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

B.1 Product under Consideration

The Product Under Consideration in the present investigation is Partially Oriented Yarn (also referred to as subject goods), originating and exported from Korea RP and Turkey. Partially Oriented Yarn is generally known as "POY" in the commercial and market parlance and has also been referred to as POY in this investigation. POY is a yarn of polyester and is made in wide range from 50 Denier to 530 Denier to meet the requirement of different segments. Denier relates to the fineness of the yarn, lower the denier, finer the yarn. POY is an intermediate, which is subject to further processes (e.g. texturing or draw-twisting) to make it suitable for weaving or knitting into fabrics. POY is different from PFY (having customs classification 5402.43) and PFY is not within the scope of the present

investigations. Present investigation being a review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation and there has been no significant development in the product during the period thereafter. The product is classified under customs heading 5402. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

B.2 There is no difference in the subject goods produced by the Indian industry and that exported from the subject countries. The subject goods produced by the Indian industry and that imported from the subject countries is comparable in all relevant parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses. The two are technically and commercially substitutable and consumers have used the two interchangeably. There are no arguments advanced by any of interested parties with regards to the issue of like article.

B.3 In light of the above, the Authority holds that the POY produced by the Petitioners is like article to the product under consideration in the present Petition and consequently domestically produced POY is considered as "like article" to the subject goods being imported from the subject countries in accordance with the Anti Dumping Rules.

C. INITIATION, REVIEW, STANDING AND DOMESTIC INDUSTRY

C.1 There are no arguments with regards to the initiation as well as the standing of the domestic industry in this case. The Authority notes that production of subject goods of Association of Synthetic fiber industry (ASFI) on behalf of M/s. Apollo Fibres Ltd., M/s. Century Enka Ltd., M/s. Central India Polyesters Ltd., M/s. Filatex Industries Ltd., M/s. Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s. Garden Silk Mills Ltd., M/s. JBF Ltd., Modern Petrofils, M/s. Recron Synthetics Ltd and M/s. Welspun Syntex Ltd constitutes a major proportion of the production of subject

goods in the country and therefore, the Authority holds that Association of Synthetic Fiber Industry (ASFI) on behalf of M/s. Apollo Fibres Ltd., M/s. Century Enka Ltd., M/s. Central India Polyesters Ltd., M/s. Filatex Industries Ltd., M/s. Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s. Garden Silk Mills Ltd., M/s. JBF Ltd., Modern Petrofils, M/s. Recron Synthetics Ltd and M/s. Welspun Syntex Ltd constitutes domestic industry within the meaning of the rule 2(b) of the Anti Dumping rules having accounted for a major proportion of the production of the subject goods in the country.

D. SUBSEQUENT DEVELOPMENTS

Submission made by Association of Synthetic Fibre Industry on June 22nd, 2007

D.1 "During the POI, for the sunset review, imports from South Korea were only to the tune of 148 MT while there were no imports from Turkey. Considering these facts, we would like to withdraw the application for further extension of anti dumping duties in terms of rule 14(a). This is, however, without prejudice to our right to file a fresh application if the need so arises in the future."

E. CONCLUSIONS

E.1 On the basis of the submissions made by the domestic industry requesting withdrawal of the application for review of imposition of Anti dumping duty on POY from subject countries, the Authority concludes that there is no justification for the continued imposition of the anti dumping duty and therefore the Authority recommends discontinuance of anti dumping duty on POY originating in or exported from subject countries as recommended by the Designated Authority vide final findings on 16th August, 2002 *vide* Notification No 36/1/2001-DGAD and imposed by Customs as per Notification No. 97/2002-Customs dated 12th September, 2002 which was extended by Customs Notification No. 118/2006 dated 20-12-2006.

R. GOPALAN, Designated Authority